CosmiqeAI

वैदिक ज्योतिष · VEDIC ASTROLOGY

राजयोग

आपकी कुंडली के राजयोग

Arjun Mehra

लग्न	राशि	नक्षत्र
कर्क	वृषभ	रोहिणी

★★★☆☆

5 योग मिले

इनमें से 3 राजयोग

तैयार किया गया 26 सितम्बर 2026 · विक्रम संवत 2083 · 22 पृष्ठ

विषय सूची

Contents · पहले पृष्ठ 4, फिर 17, फिर 21 पढ़ें। बाकी जब समय हो।

शुरुआत · Before the detail

राजयोग Cover 1

विषय सूची Contents 2

आपके लिए एक पत्र A letter to you 3

तीन सबसे बड़ी बातें The three biggest things 4

जन्म विवरण Birth details 5

योग सारांश Yoga summary पूरी रिपोर्ट में 6

शुभ योग · The yogas

राजयोग क्या हैं What are Rajyogas 7

राजयोग के प्रकार The kinds of yoga 8

पंच महापुरुष योग Pancha Mahapurusha पूरी रिपोर्ट में 9

केंद्र-त्रिकोण योग Kendra-Trikona पूरी रिपोर्ट में 9–10

धन योग Dhana पूरी रिपोर्ट में 11

विपरीत राजयोग Viparita Rajyoga पूरी रिपोर्ट में 11

सूर्य योग Solar पूरी रिपोर्ट में 12

चंद्र योग Lunar पूरी रिपोर्ट में 13

विशेष योग Special पूरी रिपोर्ट में 14

चुनौतियाँ · Challenges

अशुभ योग और भंग Inauspicious and cancellation पूरी रिपोर्ट में 15

समय · Timing

जहाँ कुंडली खींचती है Where the chart pulls both ways पूरी रिपोर्ट में 16

कब होगा When: the current Mahadasha पूरी रिपोर्ट में 17

120 वर्ष का चक्र The 120-year cycle पूरी रिपोर्ट में 18

मार्गदर्शन · Guidance

जीवन पर प्रभाव Life impact पूरी रिपोर्ट में 19

योगों का पूरा लाभ Making the most of them पूरी रिपोर्ट में 20

उपाय Remedies पूरी रिपोर्ट में 21

आगे क्या What next 22

आपके लिए एक पत्र

रिपोर्ट शुरू होने से पहले एक बात

प्रिय Arjun,

यह रिपोर्ट 9 सितम्बर 1993, रात 2:05 की आपकी जन्म कुंडली के उन ग्रह योगों का विश्लेषण करती है जो प्रतिष्ठा, सम्मान और सफलता देते हैं। इसमें सब पर लागू होने वाली सामान्य बातें नहीं हैं: हर योग, हर दशा की तारीख और हर उपाय इसी कुंडली पर आधारित है।

कर्क लग्न आपके स्वभाव को, सिंह में सूर्य आपकी महत्वाकांक्षा को और वृषभ में चंद्र आपके मन को प्रभावित करता है। इनके बीच बने कुल 5 योगों में सबसे मज़बूत राजयोग केंद्र-त्रिकोण राजयोग (1–4) है। छह क्षेत्रों में सबसे अधिक सहयोग काम और नाम को मिलता है — साझेदारी की तुलना में ज़्यादा।

एक बात स्पष्ट है: राजयोग एक संभावना है, वादा नहीं। इस कुंडली में केंद्र-त्रिकोण राजयोग (1–4) बनाम ग्रहण योग (चंद्र) — दोनों असर वास्तविक हैं। पन्ने 16 पर बताया गया है कि ये साथ कैसे प्रभाव डालते हैं। आपकी बृहस्पति महादशा 5 दिसम्बर 2038 तक चल रही है। इसमें अभी शनि की अंतर्दशा है, जो 22 जनवरी 2025 से 6 अगस्त 2027 तक है। फ़िलहाल आप इसी अवधि में हैं।

इस रिपोर्ट को मार्गदर्शन की तरह पढ़ें: कब पूरी कोशिश करनी है, कब इंतज़ार करना है और कहाँ ध्यान देना है। सबसे उपयोगी क्रम है: पहले पन्ना 4, फिर अभी चल रही अंतर्दशा के लिए पन्ना 17 और उसके बाद उपाय के लिए पन्ना 21। बाकी रिपोर्ट समय मिलने पर पढ़ें।

शुभकामनाओं सहित,

CosmiqeAI वैदिक ज्योतिष

आपकी कुंडली की तीन सबसे बड़ी बातें

तीन सबसे ज़रूरी बातें, विस्तार से पहले।

१

सबसे मज़बूत योग · STRONGEST FORMATION

केंद्र–त्रिकोण राजयोग (1–4) 86/100

आपकी कुंडली का सबसे मज़बूत योग — आपके जीवन में काम और नाम का आधार।

चंद्र (प्रथम भाव का स्वामी), शुक्र (चतुर्थ भाव का स्वामी) — चंद्र वृषभ में और शुक्र कर्क में — दोनों के बीच राशि परिवर्तन है

आपके प्रथम और चतुर्थ भावों के स्वामियों का संबंध केंद्र भावों के कर्म को त्रिकोण भावों के भाग्य से जोड़ता है।

> इस योग की अपनी महादशाएँ निकल चुकी हैं या एक पीढ़ी दूर हैं, इसलिए यह अंतर्दशाओं के ज़रिये काम करता है: बृहस्पति–शुक्र अक्टूबर 2030–जून 2033, बृहस्पति–चंद्र अप्रैल 2034–अगस्त 2035।

योग · पृष्ठ 9

२

जहाँ कुंडली खींचती है · WHERE IT PULLS BACK

केंद्र–त्रिकोण राजयोग (1–4) बनाम ग्रहण योग (चंद्र)

दोनों असर मौजूद हैं और एक ही ग्रह–स्थिति से बनते हैं — पन्ने 16 पर पूरा विवरण है।

चंद्र वृषभ में, आपके लग्न से एकादश भाव में है, और इसी स्थिति से दोनों असर मिलते हैं। इससे केंद्र-त्रिकोण राजयोग (1–4) बनता है — चंद्र (प्रथम भाव का स्वामी), शुक्र (चतुर्थ भाव का स्वामी) — चंद्र वृषभ में और शुक्र कर्क में — दोनों के बीच राशि परिवर्तन है — और ग्रहण योग (चंद्र) भी — चंद्र और केतु की युति (चंद्रग्रहण का योग)। एक ही ग्रह-स्थिति के दो अलग फल हैं। इसलिए परेशानी वास्तविक है, लेकिन स्थायी नहीं: उपाय उसी ग्रह के लिए है जो परेशानी का कारण है।

टकराव · पृष्ठ 16

३

अभी का समय · THE WINDOW YOU ARE IN

बृहस्पति–शनि अंतर्दशा चल रही है

22 जनवरी 2025 से 6 अगस्त 2027 तक — यही अवधि अभी चल रही है।

शनि आपके सप्तम और अष्टम भाव का स्वामी है और कुंभ में, आपके अष्टम भाव में बैठा है, अपने मूलत्रिकोण में और वक्री. सरल योग सक्रिय है। यह काम, देरी, अनुशासन और सहनशक्ति का समय है।

बृहस्पति की महादशा के दौरान, जो 5 दिसम्बर 2038 तक चलेगी।

समय · पृष्ठ 17

जन्म विवरण

जन्म का विवरण और पंचांग, जैसे पंडित जी लिखते हैं।

जन्म Birth

नाम · Name	जन्म तिथि · Date	जन्म समय · Time
Arjun Mehra	9 सितम्बर 1993	रात 2:05
जन्म स्थान · Place	**अक्षांश · देशांतर**	**सूर्योदय · सूर्यास्त**
Lucknow, India	26.85° N · 80.95° E	सुबह 5:49 · शाम 6:17

पंचांग Panchang

विक्रम संवत · शक	मास · पक्ष · तिथि	नक्षत्र · पद
2050 · 1915	अधिक भाद्रपद · कृष्ण · अष्टमी	रोहिणी · 3
नाम अक्षर	**वार · स्वामी**	**योग · करण**
वी Vi	बुधवार · बुध	वज्र · बालव
राशि · लग्न	**लग्नेश · राशीश · नक्षत्र स्वामी**	**ऋतु**
वृषभ · कर्क 2°	चंद्र · शुक्र · चंद्र	वर्षा Monsoon

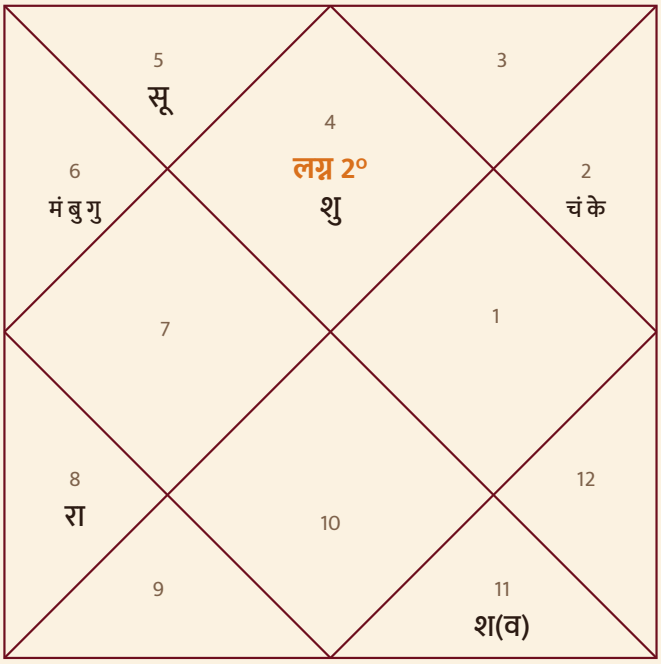

उत्तर भारतीय शैली · भाव स्थिर, राशि अंकित

ग्रह · Planet	राशि · Sign	भाव	नक्षत्र	अवस्था
सूर्य	सिंह 22.4°	2	पूर्वा फाल्गुनी	स्वराशि
चंद्र	वृषभ 17.7°	11	रोहिणी	मूलत्रिकोण
मंगल	कन्या 24.1°	3	चित्रा	शत्रु
बुध	कन्या 1.7°	3	उत्तरा फाल्गुनी	उच्च
बृहस्पति	कन्या 22.9°	3	हस्त	शत्रु
शुक्र	कर्क 20.8°	1	अश्लेषा	शत्रु
शनि	कुंभ 1.7°	8	धनिष्ठा	मूलत्रिकोण · वक्री
राहु	वृश्चिक 13.4°	5	अनुराधा	--
केतु	वृषभ 13.4°	11	रोहिणी	--

अवकहड़ा चक्र Avakhada

वर्ण	वश्य	योनि	गण	नाड़ी	तत्व	पाया
वैश्य	चतुष्पद	सर्प	मनुष्य	अंत्य	पृथ्वी	स्वर्ण
Vaishya	Chatushpad	Serpent	Manushya	Antya	Prithvi	Gold

आपका लग्न कर्क के 2.9° पर है। जन्म समय में सिर्फ़ लगभग 11 मिनट का अंतर इसे राशि की सीमा तक ले जाता है। इस रिपोर्ट में हर भाव का स्वामी इसी लग्न के आधार पर तय किया गया है। इसलिए अगर आपका जन्म समय लिखित रिकॉर्ड के बजाय याद पर आधारित है, तो उपाय करने से पहले किसी ज्योतिषी से जन्म समय का शोधन करवा लीजिए।

योग सारांश

इस रिपोर्ट में आपकी कुंडली के सभी निष्कर्ष, एक ही पृष्ठ पर।

5
योग मिले
37 जाँचे गए योगों में से
4 शुभ · 1 चुनौती

★★★☆☆
मध्यम
संयुक्त बल 63/100

बृहस्पति
5 दिसम्बर 2038 तक
अभी अंतर्दशा बृहस्पति–शनि · 6 अगस्त 2027 तक

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

राजयोग क्या हैं

दो मिनट की भूमिका, ताकि बाकी रिपोर्ट समझ आए।

योग ग्रहों की किसी खास स्थिति या आपसी संबंध को कहते हैं, जिसे ज्योतिष के पुराने ग्रंथों में नाम दिया गया है। राजयोग प्रतिष्ठा, अधिकार और उन्नति से जुड़े योग हैं। योग बनने का मतलब निश्चित परिणाम नहीं है। आगे धन, सूर्य, चंद्र, कठिनाइयाँ बढ़ाने और दूसरे योगों का प्रभाव काटने वाले योग भी समझाए गए हैं।

ग्रह, राशि और भाव

कुंडली पढ़ने में जिन ग्रहों को देखते हैं, उनमें राहु और केतु भी आते हैं। राशि वह है जिसमें ग्रह स्थित है। भाव कुंडली के 12 हिस्से हैं; हर हिस्सा जीवन के किसी पहलू से जुड़ा है। गिनती लग्न से होती है: जन्म के समय पूर्व दिशा में उदित राशि। आगे (1, 4, 7, 10) जैसे अंक भाव बताते हैं।

स्वामी होना और स्थित होना अलग हैं

हर भाव का स्वामी होता है: उस भाव की राशि का स्वामी ग्रह। ग्रह एक भाव का स्वामी होकर दूसरे में स्थित हो सकता है। रिपोर्ट के लगभग हर नियम में यह अंतर काम आएगा। तीन समूह बार-बार आएँगे: केंद्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (1, 5, 9), और दुष्थान (6, 8, 12), यानी कठिनाइयों से जुड़े भाव।

ग्रह कैसे जुड़ते हैं

यहाँ जुड़ने के तीन तरीके हैं। युति: दोनों एक राशि में। परिवर्तन: दोनों एक-दूसरे की राशि में। पारस्परिक दृष्टि: दोनों की दृष्टि एक-दूसरे पर। दृष्टि का मतलब ग्रह की नज़र है। केवल एक तरफ से दृष्टि हो तो जुड़ने की शर्त पूरी नहीं होती; उसे संबंध नहीं गिनते।

ग्रह कहाँ कितना मज़बूत है

उच्च: ग्रह के लिए बहुत मज़बूत स्थान। अपनी राशि: जिस राशि का वह स्वामी है। मूलत्रिकोण: अपनी राशि का सबसे मज़बूत हिस्सा। मित्र की राशि: मित्र ग्रह की राशि। सम: न मित्रता, न शत्रुता। शत्रु की राशि: शत्रु ग्रह की राशि। नीच: ग्रह के लिए कमज़ोर स्थान।

दशा और अंक क्या बताते हैं

दशा किसी ग्रह की अवधि है। रिपोर्ट विंशोत्तरी से दशा देखती है, यानी ग्रहों की अवधियों का एक तय क्रम। योग का फल सबसे ज़्यादा उसे बनाने वाले ग्रहों की दशाओं में दिखता है; बाकी समय वह गायब नहीं होता, और उन दशाओं में भी निश्चित नहीं होता। 100 में से दिए गए अंक केवल इस रिपोर्ट के भीतर योगों की आपस में तुलना का पैमाना हैं, किसी चीज़ की माप नहीं।

आगे के पन्ने कैसे पढ़ें

प्रबल · मध्यम · क्षीण	योग कितनी मजबूती से बना है: ग्रहों की स्थिति, वे किन भावों में हैं और उनके बीच कैसा संबंध है।
86/100	अंक सिर्फ़ वहाँ दिए हैं जहाँ नियम ग्रहों की स्थिति और संबंध से बल मापता है; बाक़ी जगह श्रेणी ही बताती है।
• एक शर्त कम	वह योग जो बनने से बस एक शर्त के कारण चूक गया।
इसके साथ गिना गया	वह योग जो किसी बड़े योग का हिस्सा है और उसी के तहत एक बार गिना गया है।
अंतर्दशा	जिस योग की अपनी महादशाएँ निकल चुकी हैं या एक पीढ़ी दूर हैं, उसके लिए यह पहले दी जाती है: वे अंतर्दशाएँ जिनमें वह योग अब भी काम करता है।

> इस रिपोर्ट में जांचे गए सभी योग आगे के पन्नों पर हैं — बने हों या न बने हों, अधूरी शर्तों और आपके ग्रहों की स्थिति सहित।

स्रोत: बृहत् पाराशर होरा शास्त्र · फलदीपिका · सारावली · जातक पारिजात

राजयोग के प्रकार

आठ वर्ग, और आगे हर एक का अपना पृष्ठ।

योग के आठ परिवार हैं, और आगे हर परिवार का अपना पृष्ठ है। सभी राजयोग नहीं हैं: धन, सूर्य और चंद्र के योग अलग हैं, और आठवाँ परिवार कठिनाइयों का है। आपकी कुंडली में इन सभी को देखा जाता है।

पंच महापुरुष Pancha Mahapurusha — पृष्ठ 9

मंगल, बुध, गुरु, शुक्र या शनि में से कोई एक ग्रह केंद्र में हो, और अपनी राशि या उच्च में हो। पाँच ग्रह, पाँच नाम: लड़ने का साहस, पढ़ाई-लिखाई, राह दिखाने की समझ, कला, और काम सँभालने की योग्यता। केवल इस परिवार में एक मज़बूत ग्रह से काम चल जाता है; दो ग्रहों का जुड़ना ज़रूरी नहीं।

केंद्र-त्रिकोण Kendra-Trikona — पृष्ठ 9

केंद्र का स्वामी त्रिकोण के स्वामी से जुड़े। केंद्र में मेहनत दिखती है, त्रिकोण में भाग्य का साथ। ज्योतिष में इनका जुड़ना राजयोग का आधार माना गया है। एक ही ग्रह केंद्र और त्रिकोण, दोनों का स्वामी हो तो उसे योगकारक कहते हैं; फिर दूसरा ग्रह नहीं चाहिए।

धन Dhana — पृष्ठ 11

भाव 2, 5, 9 और 11 के स्वामियों का आपस में जुड़ना। यह राजयोग से अलग परिवार है। इसका फल प्रतिष्ठा से ज़्यादा धन कमाने और उसे अपने पास बचाए रखने से जुड़ा है।

विपरीत Viparita — पृष्ठ 11

दुष्थान का स्वामी किसी भी दुष्थान में हो, अपने में भी। विचार यह है कि ग्रह की हानि वहीं खप जाए, आप तक न पहुँचे। अगर वही स्वामी केंद्र या त्रिकोण भी सँभालता हो तो यह स्थिति आपके एक शुभ भाव को भी छूती है; योग फिर भी बनता है, और उसके विवरण में यह लिखा है।

सूर्य Solar — पृष्ठ 12

सूर्य की राशि से ठीक पहले या बाद की राशि में कोई ग्रह हो, या बुध उसी राशि में हो। इनका फल अधिकार, बोलने के तरीके और आपकी प्रतिष्ठा से जुड़ा है।

चंद्र Lunar — पृष्ठ 13

चंद्र की राशि से ठीक पहले या बाद की राशि में कोई ग्रह हो, या चंद्र से गुरु केंद्र में हो। इनका फल मन, माँ और लोगों के बीच आपके स्थान से जुड़ा है।

विशेष Special — पृष्ठ 14

अमल, परिवर्तन, और वे योग जो ऊपर के किसी परिवार में नहीं आते। इन्हें साथ रखने की वजह बस यही है: इनका कोई एक परिवार नहीं है।

अशुभ योग और भंग Inauspicious, and what cancels them — पृष्ठ 15

यहाँ कठिनाइयाँ बताने वाले योग हैं, और दो अलग तरह के निवारण। एक में कुंडली स्वयं अशुभ योग का बुरा फल काट देती है। दूसरे में ज्योतिष के नियमों से नीच ग्रह की कमज़ोरी दूर होती है; वह अपने आप में राजयोग गिना जाता है — कमज़ोर शुरुआत के बाद उन्नति।

पंच महापुरुष योग

Pancha Mahapurusha · आपकी कुंडली में इनमें से कोई योग नहीं बनता; इसका कारण नीचे दिया गया है।

मंगल, बुध, गुरु, शुक्र या शनि केंद्र (1, 4, 7, 10) में, अपनी या उच्च राशि में। पाँच रूप: योद्धा, विद्वान, ऋषि, कलाकार, प्रशासक।

इस पृष्ठ के ग्रह

मंगल कन्या · 3 · शत्रु **बुध** कन्या · 3 · उच्च **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शुक्र** कर्क · 1 · शत्रु **शनि** कुंभ · 8 · मूलत्रिकोण · वक्री

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

केंद्र-त्रिकोण योग

Kendra-Trikona · आपकी कुंडली में 2 योग बनते हैं, 2 नहीं बनते। यहाँ 2 और योग बनते हैं, जिन्हें दूसरे योगों में गिना गया है।

केंद्र (1, 4, 7, 10) और त्रिकोण (1, 5, 9) के स्वामी युति, परिवर्तन या आपसी दृष्टि से जुड़े हों। भाग्य और कर्म का मेल; सभी राजयोगों की रीढ़।

इस पृष्ठ के ग्रह

चंद्र वृषभ · 11 · मूलत्रिकोण **मंगल** कन्या · 3 · शत्रु **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शुक्र** कर्क · 1 · शत्रु **शनि** कुंभ · 8 · मूलत्रिकोण · वक्री

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

धन योग

Dhana · यहाँ एक योग बनता है, जिसे दूसरे योग में गिना गया है; बाक़ी क्यों नहीं बने, इसका कारण नीचे दिया गया है।

धन भावों (2, 5, 9, 11) के स्वामी आपस में युति, परिवर्तन या आपसी दृष्टि से जुड़े हों। धन के सीधे संकेत।

इस पृष्ठ के ग्रह

सूर्य सिंह · 2 · स्वराशि **मंगल** कन्या · 3 · शत्रु **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शुक्र** कर्क · 1 · शत्रु

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

विपरीत राजयोग

Viparita Rajyoga · आपकी कुंडली में 1 योग बनता है, 2 नहीं बनते।

किसी दुष्थान (6, 8, 12) का स्वामी किसी दुष्थान में बैठा हो। दो नकारात्मक मिलकर सकारात्मक: मुश्किल से सफलता।

इस पृष्ठ के ग्रह

बुध कन्या · 3 · उच्च **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शनि** कुंभ · 8 · मूलत्रिकोण · **वक्री**

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

सूर्य योग

Solar · आपकी कुंडली में 1 योग बनता है, 1 नहीं बनता। यहाँ 2 और योग बनते हैं, जिन्हें दूसरे योगों में गिना गया है।

सूर्य के दोनों ओर के ग्रह — वेसि, वोसि, उभयचारी — या बुध उसके साथ। अधिकार, वाणी और नाम।

इस पृष्ठ के ग्रह

सूर्य सिंह · 2 · स्वराशि **मंगल** कन्या · 3 · शत्रु **बुध** कन्या · 3 · उच्च **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शुक्र** कर्क · 1 · शत्रु

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

चंद्र योग

Lunar · आपकी कुंडली में इनमें से कोई योग नहीं बनता; इसका कारण नीचे दिया गया है।

चंद्र के दोनों ओर के ग्रह — सुनफा, अनफा, दुर्धरा — या गुरु उससे केंद्र में। मन, माँ और लोकप्रियता।

इस पृष्ठ के ग्रह

चंद्र वृषभ · 11 · मूलत्रिकोण **मंगल** कन्या · 3 · शत्रु **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

विशेष योग

Special · यहाँ एक योग बनता है, जिसे दूसरे योग में गिना गया है; बाक़ी क्यों नहीं बने, इसका कारण नीचे दिया गया है।

अमल, परिवर्तन और वे योग जो ऊपर के किसी समूह में नहीं आते।

इस पृष्ठ के ग्रह

चंद्र वृषभ · 11 · मूलत्रिकोण **शुक्र कर्क** · 1 · शत्रु

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

अशुभ योग और भंग

Inauspicious and cancellation · आपकी कुंडली में 1 योग बनता है, 6 नहीं बनते।

वे योग जो किसी चुनौती का नाम लेते हैं — केमद्रुम, दरिद्र, ग्रहण, शकट, विष और ऐसे — और उन्हें काटने वाले भंग। यहाँ चुनौती का नाम लेना फैसला नहीं; उसका उपाय पृष्ठ 21 पर है।

इस पृष्ठ के ग्रह

सूर्य सिंह · 2 · स्वराशि **चंद्र** वृषभ · 11 · मूलत्रिकोण **बृहस्पति** कन्या · 3 · शत्रु **शुक्र** कर्क · 1 · शत्रु **शनि** कुंभ · 8 · मूलत्रिकोण · वक्री **केतु** वृषभ · 11

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

जहाँ कुंडली खींचती है

जहां कुंडली देती है और वापस ले लेती है, और क्यों।

केंद्र-त्रिकोण राजयोग (1–4) बनाम ग्रहण योग (चंद्र)

चंद्र वृषभ में, आपके लग्न से एकादश भाव में है, और इसी स्थिति से दोनों असर मिलते हैं। इससे केंद्र-त्रिकोण राजयोग (1–4) बनता है — चंद्र (प्रथम भाव का स्वामी), शुक्र (चतुर्थ भाव का स्वामी) — चंद्र वृषभ में और शुक्र कर्क में — दोनों के बीच राशि परिवर्तन है — और ग्रहण योग (चंद्र) भी — चंद्र और केतु की युति (चंद्रग्रहण का योग)। एक ही ग्रह-स्थिति के दो अलग फल हैं। इसलिए परेशानी वास्तविक है, लेकिन स्थायी नहीं: उपाय उसी ग्रह के लिए है जो परेशानी का कारण है।

कौन सा पक्ष कब चलता है

दोनों पक्ष एक ही दशाओं में चलते हैं, क्योंकि एक ही ग्रह-स्थिति दोनों का काम कर रही है। चंद्र की दशाओं में अवसर और रुकावट साथ आते हैं — इसी वजह से यह समय पहले से पता होना ज़रूरी है, बाद में पहचानने से काम नहीं चलता।

दोनों साथ	चंद्र 1993–1997	बृहस्पति–चंद्र अप्रैल 2034–अगस्त 2035 शनि–चंद्र नवम्बर 2049–जून 2051
शुभ पक्ष यहाँ भी	शुक्र 2081–2101 · अभी बहुत दूर	बृहस्पति–शुक्र अक्टूबर 2030–जून 2033 शनि–शुक्र सितम्बर 2045–नवम्बर 2048
रुकावट यहाँ भी	केतु 2074–2081 · अभी बहुत दूर	बृहस्पति–केतु नवम्बर 2029–अक्टूबर 2030 शनि–केतु अगस्त 2044–सितम्बर 2045

बनने के सबसे करीब

मालव्य योग — इस योग के लिए शुक्र का वृषभ, तुला या मीन में और किसी केंद्र भाव में होना ज़रूरी है। आपकी कुंडली में यह प्रथम भाव में है, जो केंद्र है, लेकिन राशि कर्क है। सिर्फ़ एक शर्त अधूरी है।

यह योग देता है: सुख, ख़ूबसूरती और भरपूर धन-दौलत.

भद्र योग — इस योग के लिए बुध का मिथुन या कन्या में और किसी केंद्र भाव (प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम) में होना ज़रूरी है। आपकी कुंडली में यह कन्या में है, इसलिए राशि की शर्त पूरी है, लेकिन तृतीय भाव में होने के कारण केंद्र की शर्त पूरी नहीं होती। सिर्फ़ एक शर्त अधूरी है।

यह योग देता है: तेज़ बुद्धि और बात रखने का अच्छा ढंग.

शश योग — इस योग के लिए शनि का मकर, कुंभ या तुला में और किसी केंद्र भाव (प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम) में होना ज़रूरी है। आपकी कुंडली में यह कुंभ में है, इसलिए राशि की शर्त पूरी है, लेकिन अष्टम भाव में होने के कारण केंद्र की शर्त पूरी नहीं होती। सिर्फ़ एक शर्त अधूरी है।

यह योग देता है: नियम और लगन से कामयाबी.

बुधादित्य योग — इसके लिए बुध को सूर्य के साथ एक ही राशि में होना चाहिए। आपकी कुंडली में सूर्य सिंह में है और बुध कन्या में। दोनों राशियाँ एक-दूसरे के बगल में हैं — युति न बनने की स्थिति में इससे कम फ़ासला नहीं हो सकता। बुध और सूर्य भी उभयचारी योग, वेशी योग और वोशी योग बनाने में शामिल हैं। ये योग अलग नियमों के अनुसार बनते हैं।

यह योग देता है: तेज़ बुद्धि और अपनी बात अच्छे ढंग से रखने का हुनर.

गजकेसरी योग — इस योग के लिए गुरु का चंद्र से केंद्र में होना ज़रूरी है — यानी चंद्र से गिनती करने पर प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम राशि में। आपकी कुंडली में चंद्र वृषभ में और गुरु कन्या में है, जो चंद्र से पंचम भाव है — चंद्र से त्रिकोण में होना अच्छी स्थिति है, लेकिन इससे यह योग नहीं बनता।

यह योग देता है: गुरु और चंद्र की कृपा से समझदारी, नाम और लोगों की अगुवाई करने का हुनर.

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

कब होगा: वर्तमान महादशा

बृहस्पति महादशा, 2022–2038, अंतर्दशा-दर-अंतर्दशा।

बीत चुकीं (2022–2025): बृहस्पति–बृहस्पति

बृहस्पति–शनि 22 जनवरी 2025 – 6 अगस्त 2027 अभी

शनि आपके सप्तम और अष्टम भाव का स्वामी है और कुंभ में, आपके अष्टम भाव में बैठा है, अपने मूलत्रिकोण में और वक्री. सरल योग सक्रिय है। यह काम, देरी, अनुशासन और सहनशक्ति का समय है।

बृहस्पति–बुध 6 अगस्त 2027 – 10 नवम्बर 2029

बुध आपके तृतीय और द्वादश भाव का स्वामी है और कन्या में, आपके तृतीय भाव में बैठा है, वहाँ उच्च का. उभयचारी योग सक्रिय है। यह वाणी, व्यापार, पढ़ाई और बातचीत का समय है।

बृहस्पति–केतु 10 नवम्बर 2029 – 17 अक्टूबर 2030

केतु वृषभ में, आपके एकादश भाव में बैठा है. ग्रहण योग (चंद्र) का असर भी सक्रिय है। यह वैराग्य, खोज और चुपचाप छूट जाने वाली चीज़ों का समय है।

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

120 वर्ष का विंशोत्तरी चक्र

आपके जीवन की हर महादशा, और हर एक क्या सक्रिय करती है।

आपका जन्म नक्षत्र रोहिणी है, जिसका स्वामी चंद्र है, इसलिए दशा-चक्र चंद्र की महादशा से शुरू होता है। यहाँ दी गई तारीखें महादशाओं की हैं; अभी चल रही महादशा की अंतर्दशाएँ पन्ना 17 पर हैं।

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

जीवन पर प्रभाव

छह क्षेत्र, हर एक का आकलन उससे जुड़े योगों के आधार पर। सितारे अंकों के अनुरूप हैं।

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

योगों का पूरा लाभ कैसे लें

इस कुंडली के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन। राजयोग संभावनाएं हैं; उन्हें समय, आचरण और कर्म चाहिए।

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

उपाय

एक रत्न, आपके योगों के ग्रहों के मंत्र, और उन्हीं ग्रहों के लिए चुने गए दान और व्रत।

इस खंड का बाकी हिस्सा पूरी रिपोर्ट में है

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

~~₹999~~ 70% OFF

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

आगे क्या

साझा करें, सहेजें, या आगे बढ़ें।

₹299 ~~₹999~~ 70% OFF

इसी विश्लेषण के लिए परामर्श का शुल्क ₹1500 से ₹5000 तक होता है।

महादशा के अंत तक हर अंतर्दशा, आपका रत्न, मंत्र, व्रत और दान, और PDF हिंदी या अंग्रेज़ी में।

पूरी रिपोर्ट खोलिए — ₹299

यूपीआई · कार्ड · नेट बैंकिंग · एक बार

गीता वचन

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

आपका अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल में कभी नहीं। आप कर्मफल के हेतु न बनें, और कर्म न करने में भी आपकी आसक्ति न हो।
— भगवद्गीता 2.47

अन्य रिपोर्ट राजयोग रिपोर्ट पढ़ने के बाद लोग अक्सर इन्हें मांगते हैं। हर कड़ी वेबसाइट पर उस रिपोर्ट का पृष्ठ खोलती है।

जन्म कुंडली Janam Kundli

~~₹999~~ ₹249 75% OFF

आपकी पूरी कुंडली का विश्लेषण — ग्रह, भाव, योग, दोष, दशा और उपाय।

cosmiqeai.com/reports/birth_chart/

करियर और वित्त Career & Finance

~~₹999~~ ₹249 75% OFF

काम और धन पर आपकी कुंडली क्या कहती है, और अच्छा समय कब आता है।

cosmiqeai.com/reports/career_finance/

वार्षिक भविष्यवाणी Annual Prediction

~~₹549~~ ₹199 64% OFF

आपका आने वाला साल — बारह महीने, उनकी दशाएँ और उपाय।

cosmiqeai.com/reports/annual_prediction/

कुंडली मिलान Kundli Matching

~~₹549~~ ₹249 55% OFF

दोनों कुंडलियों का मिलान — 36 गुण, मंगल और नाड़ी दोष, और निष्कर्ष।

cosmiqeai.com/reports/kundli_matching/

ज्योतिषी से बात या चैट करें इसी कुंडली पर, कभी भी। ₹5/मिनट से

रिपोर्ट के बारे में कोई सवाल? support@inyralabs.com · cosmiqeai.com

> यह कुंडली-विश्लेषण मार्गदर्शन और विचार के लिए है। रत्न किसी भरोसेमंद ज्योतिषी को दिखाकर ही पहनें।

CosmiqeAI

वैदिक ज्योतिष · VEDIC ASTROLOGY

तैयार किया गया 26 सितम्बर 2026